तक विश्राम करने का औपचारिक तौर पर आदेश देने की आशा की जाती है ।

(ग) सरकार ने भारत में ऐसा कोई अनुसन्धान नहीं किया है ।

दिल्ली में आगन्तुकों के लिये भोजन व्यवस्था

26. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
श्री भागवत झा आजाद :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्रीमती सावित्री निगम :

क्या **खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रति दिन अनुमानतः कितने व्यक्ति कुछ दिन तक रहने के लिए दिल्ली में आते हैं और राशनिंग विभाग ने उन के भोजन के लिए किस प्रकार की व्यवस्था की है; और

(ख) राशन व्यवस्था लागू किये जाने से पहले, उन लोगों के लिए, जो होटलों में नहीं ठहरते अथवा ढाबों में भोजन करते हैं, कोई व्यवस्था न किये जाने के क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) दिल्ली में थोड़ी अवधि के लिये आने वाले लोगों की संख्या का कोई अनुमान नहीं लगाया गया है । दिल्ली में आने वाले व्यक्तियों जिन की तीन दिन तक रहने की सम्भावना है, द्वारा या उन के लिये अस्थायी राशन कार्ड प्राप्त किये जा सकते हैं । दिल्ली में जिन की तीन दिन से कम रहने की सम्भावना है, उन के लिए दिल्ली में बहुत बड़ी संख्या में भोजनालय हैं जिन्हें उन की पूर्व खपत के आधार पर राशन परमिट दिये गये हैं । एसोसियेशनों, व्यापार-गृहों जिन्हों ने बाहर से आने वाले महमानों और या ग्राहकों को भोजन खिलाने के लिये अपने रसोईघर बनाये हुए हैं, उन्हे भी राशन परमिट जारी किये गये है ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

Repatriation of Indian and Pak. Officers and Crew

27. **Shri Rameshwar Tantia:**
Shri Himatsingka:
Shri Narayan Reddy:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Hukam Chand Kachhavaiya:

Will the Minister of **Transport, Aviation, Shipping and Tourism** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India and Pakistan have repatriated all Officers and crew detained by them during the recent conflict between them; and

(b) if so, number of officers and crew repatriated and number of those still left in India and Pakistan?

The Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism (Shri Sanjiva Reddy): (a) It is a fact that a decision to repatriate all officers and crew of sea-going and I.W.T. vessels has been taken and implemented.

(b) (i) All Pakistani officers and crew of Pakistani vessels detained in India numbering 154 have been repatriated;

(ii) All Indian officers and crew of sea-going vessels, numbering 171, have been repatriated. Out of 259 I.W.T. crew interned in East Pakistan, all but 16 are understood to have returned. Enquiries are being made about the others.